13. महिला की साहसगाथा

https://www.youtube.com/watch?v=1rEnzkCIB84
https://www.youtube.com/watch?v=usqkTKblpzM
[DD Chandana Samveda Class]

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. बिछेंद्री पाल को कौन-सा गौरव प्राप्त हुआ है ?

उत्तर : बिछेंद्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

२. बिछेंद्री के माता-पिता कौन थे ?

उत्तर : बिछेंद्री के पिता किशनपाल सिंह और माता हंसादेई नेगी थे।

३. बिछेंद्री ने क्या निश्चय किया ?

उत्तर : बिछेंद्री ने निश्चय किया कि वे भी वहीं करेंगी जो उनका भाई करते हैं।

४. बिछेंद्री ने किस ग्लेशियर पर चढ़ाई की ?

उत्तर : बिछेंद्री ने 'गंगोत्री ग्लेशियर' पर चढ़ाई की।

५. सन 1983 में दिल्ली में कौन-सा सम्मेलन हुआ था ?

उत्तर : सन 1983 में दिल्ली में हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन हुआ था।

६. एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे ?

उत्तर : एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ अंग दोरजी थे ़।

७. कर्नल का नाम क्या था ?

उत्तर : कर्नल का नाम खुल्लर था।

८. ल्हाटू कौन-सी रस्सी लाया था ?

उत्तर : ल्हाटू नायलान की रस्सी लाया था।

९. बिछेंद्री ने थैले से कौन-सा चित्र निकाला ?

उत्तर : बिछेंद्री ने थैले से हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला।

१०. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से क्या कहा ?

उत्तर : कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से कहा "देश को तुम पर गर्व है।"

११. मेजर का नाम क्या था ?

उत्तर : मेजर का नाम कुमार था।

१२. बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन-सा पदक देकर सम्मान किया ?

उत्तर : बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने प्रतिष्ठित स्वर्ण-पदक पदक तथा अन्य सम्मन और पुरस्कार प्रदान किया।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. बिछेंद्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए।

उत्तर : बिछेंद्री पाल का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था। पिता किशनपाल सिंह और माँ हँसादेई नेगी की पाँच संतानों में बिछेंद्री तीसरी संतान हैं। बिचेंद्री के बड़्ए भाई को पहाड़ों पर जाना अच्छा लगता था।

२.बिछेंद्री का बचपन कैसे बीता ?

उत्तर : बिछेंद्री को बचपन में रोज़ पाँच किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाना पड़्अता था। बाद में पर्वतारोहण-प्रशिक्षण के दौरान उनका कठोर परिश्रम बहुत काम आया। सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी।

३. बिछेंद्री ने पर्वतारोहण के लिए किन-किन चीज़ों का उपयोग किया ?

उत्तर : बिछेंद्री ने पर्वतारोहण में बर्फ को काटने के लिए फावड़े का इस्तेमाल करना पड़ा। ऊपर चढ़ने के लिए नायलान की रस्सी का उपयोग किया गया। चार लीटर आँक्सीजन की अपेक्षा लगभग ढाई लीटर आँक्सीजन प्रति मिनट की दर से लेकर ऊपर चढ़ने लगीं।

४. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने क्या किया ?

उत्तर : एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने पहले अपने घुटनों के बल बैठी। बर्फ पर अपने माथे को लगाकर सागरमाथे के ताज का चुंबन किया। अपने थैले से हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला। उन्हें अपने साथ लाए लाल कपड़े में लपेटा और छोटी-सी पूजा करके उनको बर्फ में दबा दिया।

II. चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?

उत्तर : पढ़ाई के साथ-साथ बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने के अपने लक्ष्य को भी हमेशा अपने सामने रखा। इसी दौरान बिछेंद्री ने 'कालनाग' पर्वत की चढ़ाई की। सन 1982 में उन्होंने 'गंगोत्री ग्लेशियर' (6672 मी) तथा 'रूड गेरो' (5819 मी) की चढ़ाई की जिससे उनमें आत्मविश्वास और बढ़ा। अंग दोरजी के साथ बिछेंद्री ने साउथ कोल से निकले। हल्की-हल्की हवा चल रही थी और ठंड बहुत अधिक थी। उन्होंने बगैर रस्सी के ही चढ़ाई की। बर्फ को काटने के लिए फावड़े का इस्तेमाल किया गया। ऊपर चढ़ने के लिए नायलान रस्सी का उपयोग भी किया गया। आक्सीजन का भी उपयोग करते हुए चढ़ाई की।

२. दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेंद्री के अनुभव के बारे में लिखिए।

उत्तर : दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेंद्री के अनुभव इस प्रकार थे कि, दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी। उस ऊँचाई पर तेज़ हवा के झोंके भुरभुरे बर्फ के कणों को चारों तरफ उड़ा रहे थे जिससे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। उन्होंने देखा कि थोड़ी दूर तक कोई ऊँची चढ़ाई नहीं है। ढलान एकदम सीधी नीची चली गई है। उनकी साँस मानो एकदम रुक गई थी। उन्हें लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है। 23 मई, 1984 के दिन दोपहर के 1 बजकर 7 मिनट पर वे एवरेस्ट की चोटी पर खड़ी थीं। एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली वे प्रथम भारतीय महिला थीं।

३. प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

उत्तर : प्रस्तुत पाठ से छात्र यह संदेश प्राप्त कर सकते हैं कि, महिलाएँ भी साहस प्रदर्शन में पुरुषों से कुच कम नहीं हैं। बिछेंद्री पाल इस विचार का एक निदर्शन है। ऐसी महिलाओं से प्रेरणा पाकर छात्र साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीखते हैं। इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं। यह पाठ सिद्ध करता है कि 'मेहनत का फल अच्छा होता है।'

IV. जोड़कर लिखिहए :

अ	ब	
१. गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई ⟹	सन 1984 ⟹	सन 1982
२. पर्वतारोहियों का सम्मेलन ⟹	सन 1985 ⟹	सन1983
३. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना ⟹	सन 1982 ⟹	सन 1984

V. अनुरूप शब्द लिखिए :

१. पहाड़ : गिरि :: चोटी : <u>शिखर</u>
२. कालानाग : पर्वत :: गंगोत्री : <u>ग्लेशियर शिखर</u>
३. कर्नल : खुल्लर :: मेजर : <u>कुमार</u>
४. चाय : गरम :: बर्फ : <u>ठंडा</u>
५. पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष : तेनजिंग नोर्गे :: पहली पर्वतारोही महिला : <u>जुंके ताबी</u>

VI. स्त्रीलिंग शब्द लिखिए :

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
१. बाप	माँ	२. पुरुष	स्त्री		
३. भाई	बहन	४. बेटा	बेटी	५. श्रीमान	श्रीमती

VII. उदाहरण के अनुसार लिखिए :

१. पढ़ + आई = पढ़ाई

२. चढ़ + आई = चढ़ाई

३. कठिन + आई = कठिनाई

४. ऊँचा + आई = ऊँचाई

५. बढ़ + आई = बढ़ाई

VIII. अन्य वचन लिखिए :

१.चट्टान-चट्टानें

२.रस्सी-रस्सियाँ

३.शीशा-शीशे

४. चोटी-चोटियाँ

५. चादर-चादरें

IX. विलोम शब्द लिखिए :

१.आरोहणxअवरोहण

२.चढ़नाxउतरना

३.ठंडाxगरम

४.परिश्रमxआलस

५.सामनेxपीछे

X. समानार्थक शब्द लिखिए :

उदा : पहाड़ = गिरि, पर्वत

१. चोटी = शिखर , चुन्नट

२.सुबह = सबेरा, प्रातःकाल

३. महिला = स्त्री , नारी

४. नज़दीक = समीप, पास

XI. निम्न शब्दों में विशेषण तथा संज्ञा शब्दों को अलग-अलग कीजिए :

शब्द	संज्ञा	विशेषण
उदा : ऊँचा पर्वत	पर्वत	ऊँचा
१. मधुर स्वर	स्वर	मधुर
२. कर्कश आवाज़	आवाज़	कर्कश
३. बड़ा साधु	साधु	बड़ा
४. ठंडी हवा	हवा	ठंडी
५. नायलान रस्सी	रस्सी	नायलान

XII. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द दिये गये हैं, ढूँढकर लिखिए :

उदा : जो पढ़ा लिखा न हो - अनपढ़

१. जहाँ पहुँचा न जा सके – दुर्गम
२. मास में एक बार आनेवाला - मासिक
३. जो कभी न मरे – अमर
४. अच्छे चरित्रवाला – सच्चरित्र
५. जो आँखों के सामने हो – प्रत्यक्ष
६. जो स्थिर रहे - स्थाई
७. जिसे क्षमा न किया जा सके – अक्षम्य
८. जो वन में घूमता हो - वनचर
९. जिसका संबंध पश्चिम से हो – पाश्चात्य
१०. जो उपकार मानता हो - क्रुतज्ञ

XIII. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

१. बिछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था।

ಬಿಚೇಂದ್ರಿಯವರ ಜನ್ಮ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಪರಿವಾರದಲ್ಲಿ ಆಯಿತು.

२. बिछेंद्री को रोज़ पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था।

ಬಿಚೇಂದ್ರಿಯವರು ಪ್ರತಿದಿನ ಕಾಲ್ನಡಿಗೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗುತ್ತಿತ್ತು.

३. दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी।

ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗುತ್ತಿತ್ತು.

४. मुझे लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है।

ಸಫಲತೆ ಬಹಳ ಹತ್ತಿರವಿದೆಯೆಂದು ನನಗನ್ನಿಸಿತು.

५. मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी।

ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ನ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಮೊದಲ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆಯಾಗಿದ್ದೆನು.